प्रश्नोत्तर | पधारो म्हारे देस | लेखक – अनुपम मिश्र | कक्षा 9 | बिहार बोर्ड | हिन्दी

पधारो म्हारे देस – सारांश (Class 9 Hindi Chapter Summary)

लेखक: अनुपम मिश्र

पाठ – पधारो म्हारे देस
पुस्तक – गोधूलि भाग 1

यह पाठ लेखक **अनुपम मिश्र** की **राजस्थान यात्रा** का विवरण है। लेखक राजस्थान के **गाँवों, लोगों और वहाँ की जल संरक्षण परंपराओं** के बारे में बताते हैं।

राजस्थान एक **सूखा और रेतीला प्रदेश** है, जहाँ वर्षा बहुत कम होती है। लेकिन इसके बावजूद वहाँ के लोग **सदियों से पानी बचाने और संग्रह करने** के अनोखे और पारंपरिक तरीके अपनाते आ रहे हैं। लेखक बताते हैं कि कैसे लोग **तालाब, बावड़ी, कुंड और जोहड़** जैसे जल-स्रोतों को बनाकर और उन्हें साफ-सुथरा रखकर **संकट के समय पानी का उपयोग** करते हैं।

लेखक को यह देखकर आश्चर्य होता है कि **कम बारिश वाले क्षेत्र में भी लोग पानी की बूँद-बूँद को सँजो कर रखते हैं**, जबकि बड़े शहरों में पानी की इतनी बर्बादी होती है।

इस यात्रा-वृत्तांत में लेखक ने **राजस्थान के लोगों की जीवनशैली, उनकी सादगी, मेहनत और प्रकृति के साथ सामंजस्य** को बहुत सुंदर और भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया है।

✍ **मुख्य बातें:**

- राजस्थान में पानी की कमी होने पर भी लोग पानी बचाने की पारंपरिक कला जानते हैं।
- लेखक ने जल-संरक्षण की **सदियों पुरानी तकनीकों** को देखा और सराहा।
- यह पाठ **प्रकृति से मेल-जोल और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग** की सीख देता है।
- हमें भी अपने जीवन में **जल बचाने और बर्बादी रोकने** की प्रेरणा मिलती है।

पाठ के साथ :-

प्रश्नोत्तर – Class 9 Hindi Chapter "पधारो म्हारे देस"

1. **'हाकड़ो' राजस्थानी समाज के हृदय में आज भी क्यों रचा बसा है?**
   उत्तर: हाकड़ो' पानी के पुकारने या उसे मनाने की प्रथा है, जो लोगों की आस्था और जल के महत्व को दर्शाती है।

Zigonotes.com

2. **'हेल' शब्द के अन्य अर्थ क्या हैं?**
उत्तर: यह समुद्र, लहर और पानी से जुड़े भावों को दर्शाता है – जैसे लहरों की आवाज, आदर और बुलावा।

3. **कौन सा रेगिस्तान कलेजा सुखा देता है?**
उत्तर: थार का रेगिस्तान, जो गर्मी और पानी की कमी के कारण भयावह प्रतीत होता है।

4. **भूगोल की किताबें किन्हें 'अत्यंत कंजूस महाजन' मानती हैं और क्यों?**
उत्तर: राजस्थान को, क्योंकि वहाँ बहुत कम वर्षा होती है।

5. **राजस्थानी समाज ने कम पानी का रोना क्यों नहीं रोया?**
उत्तर: क्योंकि उन्होंने जल के हर बूँद का उपयोग सोच-समझकर और सहेज कर किया।

6. **राजस्थान में समुद्र के इतने नाम क्यों मिलते हैं?**
उत्तर: यह वहाँ के लोगों की कल्पनाशक्ति और जल के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

7. **जल संग्रह कैसे करना चाहिए?**
उत्तर: वर्षा जल को टंकियों, तालाबों और कुंडों में सहेज कर।

8. **त्रिकूट पर्वत कहाँ है?**
उत्तर: यह पर्वत राजस्थान में स्थित है और कृष्ण कथा से जुड़ा है।

9. **'धरती धोरा री' किसे कहा गया है?**
उत्तर: राजस्थान को, क्योंकि वहाँ की धरती में रेत (धोरा) ही धोरा है।

10. **मरुनायकजी कौन थे?**
उत्तर: वे जल संरक्षण के प्रतीक नायक हैं, जिनके कार्य आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं।

11. **राजस्थान में वर्षा का स्वरूप कैसा है?**
उत्तर: अत्यंत सीमित और अनिश्चित।

12. **'वोज' शब्द के क्या अर्थ हैं?**
उत्तर: यह रीति, परंपरा और मान्यता को दर्शाता है।

13. **'जसढोल' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?**
उत्तर: जल युक्त स्थान या तालाब को दर्शाने के लिए।

14. **इस पाठ से क्या शिक्षा मिलती है?**
उत्तर: हमें जल संरक्षण की परंपरागत विधियों से प्रेरणा लेकर आज भी जल को सहेजना चाहिए।

15. **लेखक 'पधारो म्हारे देस' क्यों कहते हैं?**
उत्तर: यह आमंत्रण है राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और जल परंपरा को देखने-समझने का।

पाठ के आस-पास (विस्तारित गतिविधियाँ) :-

1. **आप जल संरक्षण कैसे करेंगे?**
उत्तर: वर्षा जल संचयन, रिसाव रोकना, और रीसायक्लिंग।

2. **जल संरक्षण पर गोष्ठी आयोजित करें।**
उत्तर: छात्रों को जागरूक करें और पुराने व नए उपायों की चर्चा करें।

zyeanotes.com

3. **नई जल संरक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें।**
   उत्तर: जैसे: ड्रिप इरिगेशन, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग।
4. **मानचित्र में दर्शाएँ:**
   - द्वारका, मथुरा, वृंदावन
   - त्रिकूट पर्वत की स्थिति
5. **लूनी नदी का प्रवाह क्षेत्र जानें।**
   उत्तर: यह पश्चिमी राजस्थान में बहती है और खारे पानी की है।
6. **डिंगल क्या है?**
   उत्तर: यह राजस्थानी भाषा की एक प्राचीन कविता शैली है।

भाषा की बात (भाषा ज्ञान) :-

1. **'समुद्र' के पर्यायवाची शब्द:**
   सागर, जलनिधि, नीरसिंधु, जलसमूह, अर्णव।
2. **विशेषण और वाक्य प्रयोग:**
   - **जल** – मीठा जल – *पीने योग्य मीठा जल ज़रूरी है।*
   - **रेत** – सुनहरी रेत – *रेगिस्तान की सुनहरी रेत बहुत गर्म होती है।*
   - **समुद्र** – विशाल समुद्र – *विशाल समुद्र में लहरें उठ रही हैं।*
   - **पुराण** – प्राचीन पुराण – *प्राचीन पुराणों में जल की महिमा है।*
   - **प्रकाश** – मंद प्रकाश – *दीपक का मंद प्रकाश मन को शांति देता है।*
   - **स्थल** – रेतीला स्थल – *राजस्थान एक रेतीला स्थल है।*
   - **परंपरा** – प्राचीन परंपरा – *जल संरक्षण एक प्राचीन परंपरा है।*
   - **समाज** – जागरूक समाज – *जागरूक समाज ही जल बचा सकता है।*
3. **समानार्थी शब्द:**
   - विराट – विशाल
   - प्राचीन – पुराना
   - मरुभूमि – रेगिस्तान
   - दृष्टि – नजर
   - युग – काल
   - कला – विधा
   - जीवन – अस्तित्व

Zigonotes.com

4. **राजस्थानी शब्द और हिंदी अर्थ:**
    - हाकड़ो – पुकारना
    - हेल – लहर
    - वोज – रीति
    - जसढोल – जल स्रोत
5. **'वि' उपसर्ग से शब्द:**
   वितरण, विरोध, विशेष, विकास, विश्वास
6. **संधि विच्छेद:**
    - संस्कृत = सम् + कृत
    - नायक = नय + अक
    - तथास्तु = तत् + अस्तु
7. **लिंग निर्धारण:**
    - लहर – स्त्रीलिंग
    - देश – पुल्लिंग
    - दृष्टि – स्त्रीलिंग
    - पलक – स्त्रीलिंग
    - दरिया – पुल्लिंग
    - नदी – स्त्रीलिंग
    - मरुस्थल – पुल्लिंग
    - समाज – पुल्लिंग
    - धरती – स्त्रीलिंग
    - आकाश – पुल्लिंग
    - पानी – पुल्लिंग

zygonotes.com